वासनिक से मिले मानसिक रूप से कमजोर बच्चे

नई दिल्ली (एसएनबी)। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री मुकुल वासनिक ने सोमवार को मानसिक रूप से कमजोर (आटिज्म) पीड़ित बच्चों की समस्याएं सुनीं और उन्हें हर स्तर पर समाज की धारा में लाने का भरोसा दिलाया। विश्व आटिज्म जागरूकता दिवस के मौके पर स्वयंसेवी संगठन तमन्ना की ओर से उनके औरंगजेब रोड स्थित निवास पर मिला।

वासनिक ने कहा कि आटिज्म का इलाज लंबे समय तक चलता है। समय रहते यदि चिकित्सक इस रोग की पहचान कर लें तो इसकी सक्रियता को कम किया जा सकता है। उन्होंने इस बीमारी को विकलांगता अधिनियम में शामिल करने और अन्य विकलांगों की तर्ज पर इस वर्ग के लोगों को सहूलियतें देने का भरोसा दिलाया। इस मौके पर डीपीएस, मॉडर्न स्कूल, पीपी इंटरनेशनल स्कूल, लोटस वैली, स्प्रिंग डेल्स समेत कई अन्य स्कूलों के 100 से अधिक आटिज्म पीड़ित बच्चों ने भाग लिया।

तमन्ना की अध्यक्ष डॉ. श्यामा चोना ने सरकार से मांग की कि आटिज्म पीड़ित बच्चों का दिमाग अविकसित होने के साथ ही क्षतिग्रस्त हो जाता है। वह अपने बारे में सोच-समझ नहीं पाते हैं। कुछ फीसद बच्चे मंदबुद्धि होते हैं। इस प्रवृत्ति वाले रोगियों को विकलांगता अधिनियम के तहत सुविधाएं प्रदान की जाएं।